PTEC

Monthly
NEWS LETTER

Volume 2 July, 2025 Issue 3

संत इग्नासियुस लोयोला

पर्व दिवस – 31 जुलाई

संत इग्नासियुस लोयोला का जन्म 1491 में स्पेन में हुआ था। उनका जन्म एक निचले मध्यवर्गीय परिवार में हुआ। प्रारंभ में, वे एक योद्धा और सैनिक के रूप में जाने जाते थे। उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब पम्प्लोना किले की सुरक्षा के दौरान तोप के गोले से घायल हो गए। इस चोट के इलाज के दौरान उन्होंने अपने जीवन के उद्देश्य पर विचार करना शुरू किया।

जीवन में परिवर्तन

उनकी चोट के बाद, उन्होंने अपने जीवन को सुधारने और ईश्वर की सेवा करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने जीवन को पुनः व्यवस्थित किया और धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए। उन्होंने बार्सिलोना और पैरिस में धार्मिक शिक्षा प्राप्त की।

संत इग्नासियुस लोयोला का योगदान

संत इग्नासियुस लोयोला ने 1540 में जेसुइट संप्रदाय की स्थापना की। यह संप्रदाय शिक्षा, धर्म प्रचार और सामाजिक सेवा के कार्यों में संलग्न है। उन्होंने अपने जीवन में अनेक छात्रों और अनुयायियों को प्रेरित किया। उनका मुख्य उद्देश्य ईश्वर की सेवा में समर्पित जीवन जीना और समाज में सुधार लाना है।

मृत्यु और स्मृति

संत इग्नासियुस लोयोला का निधन 1556 में हुआ। उनके जीवन और कार्यों को आज भी विश्वभर में सम्मानित किया जाता है। उन्हें 1622 में संत घोषित किया गया। उनका जीवन प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्श आज भी लोगों के जीवन में प्रकाश फैलाते हैं।

संत इग्नासियुस लोयोला

"Ad majorem Dei gloriam"
(For the greater glory of God)
Latin motto of The Society of Jesus

"Teach us to give and not count the cost."

"You wish to reform the world; reform yourself, otherwise your efforts will be in vain."

Laugh and grow strong.

"It is not hard to obey when we love the one whom we obey."

तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम

तीन दिवसीय ओरिएंटेशन का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को केवल शिक्षक बनने तक सीमित न रखते हुए, उन्हें शिक्षक बनने की **पवित्र बुलाहट**, समाज और आध्यात्मिक जीवन के प्रति **उत्तरदायित्व**, और शिक्षा के व्यापक दृष्टिकोण से परिचित कराना था।

उद्देश्य

1. सीखने की गहरी भूख और आत्म-नियंत्रण पैदा करना।
2. स्वयं की पहचान, गुण-दोष पर चिंतन और आत्म-विश्वास निर्माण।
3. बच्चों की प्रतिभा व रुचि को पहचाना और उन्हें उभारना।
4. समय-पाबंदी, अनुशासन और स्मार्ट तरीकों से कार्य का महत्व समझना।
5. मेंटोरिंग, समूह सहयोग और सकारात्मक मानसिकता का विकास।

प्रमुख गतिविधियाँ और अनुभव

- **मिस्सा पूजा एवं सर्वधर्म प्रार्थना** ने आध्यात्मिक उन्नति व समरसता की भावना जागृत की।
- Ice-breaking **खेलों** ने परिचय, स्मरण शक्ति और सतर्कता बढ़ाई।
- **Journaling / डायरी लेखन** ने आत्म-ज्ञान, आत्म-अनुशासन और आत्म-समर्थन को प्रोत्साहित किया।
- **मेंटोर ग्रुप का अनुभव** एक छोटे परिवार की तरह था—जहां विचारों का आदान-प्रदान, समर्थन और प्रेरणा साझा किया गया।
- **समूह सहयोग** ने समझाया कि "साथ चलें, साथ बढ़ें, साथ रहें" कितना मूल्यवान है।
- **शिक्षक बनने की गहराई**: यह केवल डिग्री से नहीं बल्कि व्यक्ति के समर्पण और योग्य गुणों से होता है।

मिली शिक्षाएँ

- **गहराई से जीवन जियो, साहस से कार्य करो** — सतही प्रयासों से समाधान नहीं।
- **एक किताब, एक कलम, एक बच्चा**—शिक्षक की भूमिका से दुनिया बदल सकती है।
- **समय-पाबंदी और अनुशासन** से लक्ष्य की प्राप्ति संभव होती है।
- **सहानुभूति, धैर्य और सकारात्मक दृष्टिकोण**—अच्छे शिक्षक की पहचान हैं।
- **दीपक की तरह बनना**—जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश दे।

निष्कर्ष

इस त्रिदिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम ने शिक्षण पेशे के प्रति एक समग्र, गहन और प्रेरणादायक दृष्टिकोण प्रदान किया। यह केवल **शिक्षक बनने तक सीमित** नहीं था, बल्कि **शिक्षक होने की ऊँचाई** को समझने और आत्मसात करने का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यक्रम ने शिक्षा को सामाजिक उत्तरदायित्व, आत्म-सम्वर्धन, आध्यात्मिकता और नैतिकता से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

बेहतर शिक्षक बनने के लिए प्रशिक्षण जरूरी है

प्रशिक्षण एक बेहतर शिक्षक बनने के लिए आवश्यक है क्योंकि यह केवल ज्ञान प्रदान करने का माध्यम नहीं है, बल्कि मार्गदर्शक का कार्य भी करता है। बिना प्रशिक्षण के शिक्षक अधूरी शिक्षा देते हैं, जबकि प्रशिक्षित शिक्षक समय की आवश्यकताओं के अनुरूप बुद्धिमान और सामाजिक रूप से जिम्मेदार होते हैं। इससे वे छात्रों की भावनात्मक आवश्यकताओं को समझकर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकते हैं और छोटे बच्चों के सवालों का नम्रता से उत्तर दे सकते हैं। प्रशिक्षण न केवल शिक्षण कौशल विकसित करता है, बल्कि नैतिकता, नेतृत्व, और समानता के मूल्य भी सिखाता है। एक प्रशिक्षित शिक्षक अपने कार्य में गर्व महसूस करता है और अपने कर्तव्य का सम्मान करता है।

अभिषेक कुजूर
प्रथम वर्ष 'अ'

बेहतर शिक्षक का प्रशिक्षण

करना चाहो तुम जग को रोशन,
तो खुद को करो तुम पहले शिक्षित
बिना शिक्षित तुम न कर पाओगे,
जग को रोशन।
करो तुम खुद की पहचान,
फिर कराओ नन्हे- नन्हे बच्चों की पहचान।
तुम्हें उनको मंजिल तक है पहुँचाना
इससे पहले तुम पाओ मंजिल अपनी।
है जरुरी तुम्हें प्रशिक्षण की
जिसमें तुम सीखो शिक्षा के मूल्य को।
अब सिखाओ जाकर तुम
शिक्षा की महत्ता समाज को।

अनुभा टोप्पो
प्रथम वर्ष 'ब'

एक शिक्षक के लिए प्रशिक्षण का महत्व

प्रशिक्षण का उद्देश्य व्यक्तियों को मार्गदर्शन, कौशल विकास और ज्ञान में दक्षता प्रदान करना है। यह प्रक्रिया व्यक्तियों के आत्मविश्वास को बढ़ाती है और उन्हें अपने कार्यों में अधिक प्रभावी बनाती है। प्रशिक्षित व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होते हैं और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक रहते हैं। एक शिक्षक के प्रशिक्षण की आवश्यकता विशेष रूप से बच्चों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे भविष्य के निर्माता हैं। प्रभावी शिक्षण के लिए शिक्षक में आत्मविश्वास, जुनून, धैर्य, अनुशासन, और स्वस्थ्य रहना आवश्यक है। साथ ही, उन्हें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक कौशल, जैसे कि सुनना, समझना, और संवाद करना, विकसित करना चाहिए। शिक्षक का कर्तव्य है बच्चों में कौशल विकास करना, उन्हें अपने धर्म, संस्कृति, और परंपराओं का सम्मान करना सिखाना, और उनके समग्र विकास में सहायता करना।

मंजू आईन्द
प्रथम वर्ष 'अ'

नवांगतुक दिवस

नवांगतुक दिवस की
खुशियाँ भरी सुबह
संगीत और नृत्य से
सजा स्वागत।
फूलों के गुलदस्ते और
गीतों की धुन
हमारे दिल जीत लिया
यह पल था अनमोल
नृत्य की प्रस्तुति
एक से बढ़कर एक
वरिष्ठ शिक्षकों ने
दिखाया अपना हुनर
और गुण
फुटबॉल का खेल, दो
टीमों की टक्कर
वरिष्ठ शिक्षिका की जीत
कनिष्ठ शिक्षिका का संघर्ष
दोनों टीमो ने दिखाया अपना
जोश और उत्साह
यह दिन हमारे लिए
यादगार हो गया
नवांगतुक दिवस की
खुशियाँ भरी यादें
मन में बस गई

स्नेहा हेंब्रोम
प्रथम वर्ष 'ब'

Thoughts changing moments

The individual expressed initial apprehensions about joining the institute for primary teacher training, including feelings of excitement and nervousness. Upon arrival, these feelings transitioned to comfort and confidence, leading to a sense of gratitude for the supportive environment and colleagues. The experience has contributed to personal growth, enhancing skills such as confidence, honesty, and teamwork, alongside academic and extracurricular activities. As future educators, the focus remains on practical teaching skills, effective time management, and continuous improvement through daily routines and collaborative activities.

Binisha Hurhuria
First year 'A'

मेरी सोच : पहले और अब

जब मैं गाँव में था, मेरी सोच केवल खेल-कूद और घूमने तक ही सीमित थी। मुझे कमाई के बारे में भी विचार आता था, लेकिन मैं नहीं जानता था कि क्या करना चाहिए। मेरी समझदारी पढ़ाई के बाद ही विकसित हुई। उस समय मैं अपने जीवन और भविष्य के बारे में अधिक नहीं सोचता था। मैं अपने माता-पिता के भरोसे पर जी रहा था।

जब मुझे 2025 में चर्च के फादरों की तरफ से सुझाव मिला कि पढ़ाई जरूरी है, तो मैंने पढ़ाई शुरू की। मैंने वहां जाकर प्रेरणा प्राप्त की और PTEC में नामांकन लिया। इससे मुझे बहुत अच्छा लगा और मुझे विश्वास हुआ कि मैं भी कुछ कर सकता हूँ। इस अनुभव ने मुझे शिक्षा के महत्व को समझाया और मेरे जीवन में बदलाव लाने का उत्साह पैदा किया। अब मेरा लक्ष्य है कि मैं एक शिक्षक बनकर समाज में बच्चों को शिक्षा दूंगा और अपने जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करूंगा।

डिबर संडी पूर्ति
प्रथम वर्ष 'अ'

पहले और अब की सोच

मेरी सोच में परिवर्तन आया है, जो अब अधिक सकारात्मक और रचनात्मक है। पहले मेरी दृष्टि सीमित थी और मेरे लक्ष्यों के प्रति स्पष्टता नहीं थी। अब मैं नई दिशा में सोच रहा हूँ, जो प्रेरणा और उत्साह से भरपूर है। एक प्रसिद्ध कथन है, "जैसे सोचोगे, वैसे बनोगे," जिसने मेरे दृष्टिकोण में बदलाव लाया है। मैंने समझा है कि केवल डिग्री प्राप्त करना ही सफलता का मापदंड नहीं है, बल्कि कौशल का विकास भी आवश्यक है। अब मैं अपने जीवन के लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर रहा हूँ और निरंतर नई सोच और सकारात्मकता को अपनाने का प्रयास कर रहा हूँ। इस प्रक्रिया ने मुझे नई प्रेरणा और रचनात्मकता प्रदान की है।

दीप्ति केरकेटटा
प्रथम वर्ष 'अ'

जीवन में समय और सहयोग का महत्व

हमारे जीवन में समय और सहयोग का महत्व अत्यंत है। समय का सदुपयोग और सहयोग की भावना हमारे भविष्य को सुदृढ़ बनाने में सहायक होती है। समय की शक्ति अपरिमित है, और इसे सही ढंग से उपयोग करना आवश्यक है।

समय के साथ स्वयं को विकसित करना आवश्यक है, क्योंकि समय ही सबसे बड़ा शिक्षक है। जीवन में सहयोग का महत्व उतना ही है जितना एक पेड़ और उसकी शाखाओं का।

यह पृथ्वी एक अद्भुत संरचना है, जहां रहने वाले लोग एक-दूसरे पर निर्भर हैं और सहयोग की भावना रखते हैं। सहयोग की भावना एक शक्तिशाली शक्ति है, जिसकी उपस्थिति आवश्यक है।

कर्तव्य का पालन करना और समय का सदुपयोग करना प्रत्येक व्यक्ति का परम कर्तव्य है। अपने आप को हर परिस्थिति में ढालना और दूसरों के प्रति समर्पित भावना रखना एक शिक्षक के महत्वपूर्ण गुण हैं।

प्रतिभा टुडू
प्रथम वर्ष 'अ'

Freshers' day

The tree that is beside the running water is fresher and gives more fruit.

करियर किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। करियर का चयन एक महत्वपूर्ण निर्णय है। फ्रेशर्स डे मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था; यह मेरा पहला अनुभव था, और मुझे बहुत खुशी हुई। यह दिन विशेष था जब हमारे माथे पर तिलक लगाया गया और बैज पहना गया। हमारा स्वागत बहुत सुंदर तरीके से किया गया। हमें इस विद्यालय का सदस्य बनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर को हम कभी नहीं भूलेंगे। हम कड़ी मेहनत करेंगे और अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

राही को मंजिल आसानी से नहीं मिलती; इसे पाने के लिए जुनून और मेहनत की आवश्यकता होती है। पूछा गया कि चिड़िया अपने आशियाने को कैसे बनाती है, तो उसने कहा - भरनी पड़ती है उड़ान, बार-बार तिनका-तिनका उठाना होता है।

सरोज टोपनो
प्रथम वर्ष 'ब'

जीवन में समय और सहयोग का महत्व

जीवन में सहयोग और समन्वय का महत्व अत्यधिक है। समय का सदुपयोग कर हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और सहयोग से हम मजबूत और सफल भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

समय का महत्त्व: लक्ष्य प्राप्ति: समय का सही उपयोग कर हम अपने निर्धारित कार्यों को पूरा कर सकते हैं।

सफलता: किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए समय का प्रभावी प्रबंधन आवश्यक है।

उत्पादकता: समय का सदुपयोग हमारी कार्यक्षमता को बढ़ाता है और उत्पादकता में सुधार करता है।

सहयोग का महत्त्व: सहयोग से हम समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं और एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं।

सरलता: सहयोग से कार्यों को सरलता से पूरा किया जा सकता है।

समय की बचत: सहयोग के माध्यम से कार्यों को तेजी से पूरा कर समय की बचत की जा सकती है।

सामाजिक भावना: सहयोग से सामाजिक भावना का विकास होता है।

पहचान: सहयोग से एक-दूसरे को समझने और पहचानने का अवसर मिलता है।

संबंध: सहयोग से संबंध मजबूत होते हैं और सामूहिक प्रयासों में सफलता मिलती है।

निभा खलखो
प्रथम वर्ष 'अ'

जीवन में समय और सहयोग का महत्व

जीवन को सफल और सुखमय बनाने के लिए आवश्यक तत्वों में समय प्रबंधन और सहयोग का महत्वपूर्ण स्थान है। उचित समय का सदुपयोग और समर्पित प्रयास सफलता की कुंजी हैं।

समय का महत्व

एक बार चला गया समय वापस नहीं आता। जो व्यक्ति समय का सदुपयोग करता है, वही प्रगति करता है। व्यवसायी, किसान, व्यापारी या नेता, सभी के लिए समय की पाबंदी और उसका सही उपयोग सफलता का आधार है।

सहयोग का महत्व

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। अकेले जीवन का निर्वाह कठिन है। परिवार, कार्यस्थल और समाज में सहयोग आवश्यक है। जब हम दूसरों की मदद करते हैं और सहयोग प्राप्त करते हैं, तो कार्य अधिक प्रभावी और सफल होता है।

सहयोग के लाभ

कठिन समय में मानसिक शक्ति मिलती है। समस्याओं का समाधान सहयोग से ही संभव है। इससे एकता और सद्भाव बढ़ता है।

निलेश यादव
प्रथम वर्ष 'अ'

3-Day Orientation Program

The 3-Day Orientation Program at PTEC was thoughtfully organized to welcome the new batch of prospective teachers for 2025-2027. Over three days, the program aimed to facilitate a smooth transition into the college environment, foster connections, and clarify the academic path ahead in teacher education.

Day 1 began with a spiritual invocation, seeking divine guidance for the academic year and the journey ahead. This opening set a reflective and positive tone for the program. An ice-breaking session was conducted to help participants get to know each other and build camaraderie through engaging activities. The Principal, Dr. Fr. P.J. James, delivered a warm welcome address and introduced the teaching and non-teaching staff, emphasizing their support for our learning journey.

Day 2 featured insightful sessions led by experienced educators on various aspects of teacher education, including the role of a teacher, time management, and the importance of journalism. Participants were divided into mentor groups, providing personalized guidance and support. Mentor Fr. Arockia Raj shared his experiences, motivating students to approach their studies with curiosity and purpose.

On Day 3, the focus was on understanding the college calendar, important academic dates, events, and opportunities. Faculty members explained the curriculum structure, course components, and requirements, helping students gain clarity and confidence about their academic journey.

In conclusion, the 3-day orientation was a meaningful and well-organized program that welcomed, informed, and inspired participants. It introduced us to the college's academic framework and fostered a sense of community and purpose. With gratitude and excitement, we are now prepared to step forward as future educators, ready to learn and grow.

Atul Vivek Ekka
First year

मेरा ओरिएंटेशन प्रोग्राम का अनुभव

मैं इन तीन दिनों में अपने अनुभव को संक्षेप में प्रस्तुत कर रहा हूँ। पहले दिन को हमने पवित्र मिस्सा से शुरुआत की। इसके बाद आध्यात्मिक गतिविधियों ने हमें अपने आप से प्यार करना सिखाया। सर निरज के द्वारा हमें शिक्षण के सरल महत्व को विभिन्न तरीकों से समझाया गया। एक अच्छा शिक्षक होने का महत्व अत्यधिक है, क्योंकि बच्चों का भविष्य शिक्षकों के हाथों में होता है। एक शिक्षक बनने की कला और आवश्यकताएँ भी सर के द्वारा बताई गई। फिर डॉली मैम ने समय का सदुपयोग करने का महत्व समझाया। जीवन में सभी चीजें समान हैं, पर समय का सही उपयोग ही सफलता की कुंजी है। ओरिएंटेशन से मुझे बहुत अच्छा अनुभव हुआ और नई बातें सीखने को मिली।

अशोक कुजूर
प्रथम वर्ष 'ब'

उन्मुखीकरण का अनुभव

प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित किया जाता है। इस नए साल की शुरुआत में आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में व्याख्याता गण ने प्रशिक्षुओं को जीवनोपयोगी शिक्षाएँ दीं, जिससे उनमें उत्साह और जुनून जागृत हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को शिक्षण के महत्व पर विचार करने के लिए प्रेरित करना था। शिक्षक ही समाज का मार्गदर्शक होते हैं और समाज को सही दिशा देने में सक्षम होते हैं।

इस उन्मुखीकरण कार्यक्रम में मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया कि शिक्षक बनना ईश्वर की इच्छा के बिना संभव नहीं है। यह एक पवित्र बुलाहट है, और हमें अपने जीवन के उद्देश्यों को समझने के लिए तत्पर रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में समय प्रबंधन की महत्ता पर भी प्रकाश डाला गया, जिससे हमें कार्यों को समय पर पूरा करने और मानसिक एवं शारीरिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है।

अतः हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए। यह कार्यक्रम सभी प्रशिक्षुओं को योग्य शिक्षक बनने में सहायक सिद्ध होगा।

निधि खलखो
प्रथम वर्ष 'ब'

ओरिएंटेशन प्रोग्राम का अनुभव

तीनों दिनों में मैंने यह सीखा कि जीवन में दिशा और उद्देश्य का होना अत्यंत आवश्यक है। व्यक्तिगत देखभाल और अनुशासन सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये ही हमें हमारे लक्ष्यों तक पहुंचाते हैं। इन तीन दिनों में मुझे यह भी समझ में आया कि मार्गदर्शन एक दीपक की तरह है, जो स्वयं को प्रकाशमान करता है और दूसरों के लिए भी प्रकाश का स्रोत बनता है।

जिनिता बागे
प्रथम वर्ष 'ब'

Freshers' Day

Fresher's Day is a special occasion in our lives, celebrated with enthusiasm and joy. I was very excited about this day, which marked the beginning of a new chapter for us. The event took place on July 5th, a day dedicated to welcoming new students and celebrating their arrival. Fresher's Day signifies a fresh start, and it was a beautiful and memorable experience for everyone involved. We expressed our gratitude to our seniors, who organized the event and made it enjoyable. The seniors greeted us warmly, and their performances, including songs and dances, added to the festive atmosphere. One of the highlights was the dance performance, which was truly impressive. Additionally, the speech given by our teacher representative was inspiring and appreciated by all. Overall, it was a wonderful day filled with happiness, camaraderie, and new beginnings.

Rishika Mishra
First year 'B'

शिक्षा का क्षेत्र हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब कोई छात्र कॉलेज में प्रवेश करता है, तो उसकी खुशी और उत्साह का ठिकाना नहीं रहता। यह एक नई शुरुआत का प्रतीक होता है, जहां वह अपने भविष्य को संवारने के लिए तैयार होता है। कॉलेज में प्रवेश करने की खुशी इस बात से जाहिर होता है कि अब वह अपने सपनों को साकार करने के लिए एक कदम और करीब पहुंच गया है। लेकिन, साथ ही साथ कुछ गम भी होते हैं। घर से दूर रहना, नई जिम्मेदारियों का सामना करना, और अपने परिवार से दूर रहकर अपनी पढ़ाई को जारी रखना, ये सब चुनौतियां भी साथ लाती हैं। कभी-कभी मन में यह भी आता है कि घर की यादें और परिवार की कमी कितनी खलती है। इस तरह, कॉलेज में आने की खुशी और गम दोनों ही जीवन के अभिन्न हिस्से हैं। यह अनुभव न केवल शैक्षिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने का भी अवसर प्रदान करता है।

हॉस्टल जीवन छात्रों के लिए एक अनुशासित और आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है। हमारे दिन की शुरुआत पवित्र मिस्सा से होती है। यहाँ विभिन्न जातियों और पृष्ठभूमियों के लोग रहते हैं। यहाँ नियमों का मिल-जुलकर पालन करना और सामूहिक जीवन जीना सिखाया जाता है। सभी कार्य निर्धारित हैं और इन्हें पूरा करने के लिए जिम्मेदारी दी जाती है। हॉस्टल प्रबंधन के तहत साफ-सफाई और व्यवस्था बनाए रखना महत्वपूर्ण है। यहाँ सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाता है। इस जीवनशैली से हम टीम वर्क, मदद करने की भावना, सकारात्मक मानसिकता, एकता, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व कौशल, और त्याग जैसी मूल्यवान बातें सीखते हैं।

नाम-अंकिता टेटे
प्रथम वर्ष 'ब'

हॉस्टल जो जंगल के बीचों-बीच है यहाँ पहले कोई नहीं था, इसलिए मुझे लगा कि यहाँ कुछ अलग ही बात है। पहले घंटे में ही मुझे लगा कि यह जगह बहुत खास है। शाम को, दीवारों के बीच, हमारे हॉस्टल में स्वागत किया गया। फूल-गुच्छा और मिठाइयों के साथ हमारा स्वागत किया गया। इसके बाद, हमें महाविद्यालय से संबंधित दिशा-निर्देश दिए गए और हमें अपना परिचय देने का अवसर मिला। यह हॉस्टल हमारे जीवन का एक नया अनुभव था, जहाँ नए साथी मिले और हमने आत्मविश्वास और रुचि के साथ मिलकर सीखने का अवसर पाया। यहाँ रहकर हमने बहुत कुछ सीखा और अपने जीवन में बदलाव महसूस किया।

अनामिका गिद्ध
प्रथम वर्ष 'ब'

मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूँ कि इस समय में मुझे हॉस्टेल जीवन का अनुभव लिखने का अवसर प्रदान किया। मैं PTEC में शामिल होने से पहले हॉस्टेल जीवन का अनुभव नहीं किया था, इसलिए इस विषय में मेरी जानकारी सीमित थी। लेकिन कुछ अनुभव ऐसे हैं जो मुझे बहुत कुछ सिखाते हैं। पहली बार जब मैं संत जोसेफ हॉस्टेल में गया, तो धीरे-धीरे समय बीता और मुझे अच्छा लगा। इस दौरान मैंने सीखा कि समय का सदुपयोग कैसे किया जाए। हॉस्टेल जीवन में बहुत कुछ सीखने को मिला, जैसे नए-नए कौशल सीखना और नए मित्र, विचार और व्यक्तियों से मिलना। इस अनुभव ने मुझे समझाया कि जीवन में बचपन की मासूमियत और सरलता कितनी महत्वपूर्ण है। अब मैं समझता हूँ कि जीवन को सही तरीके से जीना ही सफलता है। हॉस्टेल जीवन में जो दर्द और संघर्ष होते हैं, वे ही हमें मजबूत बनाते हैं। यह अनुभव मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अमन बा:
प्रथम वर्ष 'ब'

हॉस्टल का अनुभव एक अनूठा और उत्साहपूर्ण था। नए लोगों से मिलना सुखद रहा, हालांकि शुरुआत में कुछ अजीब लगा, पर धीरे-धीरे मैंने नए दोस्त बनाए। हमने साथ में भोजन किया, पढ़ाई की और आनंद लिया। हॉस्टल में रहने से पहले मैं अपने माता-पिता पर निर्भर थी। अब, हॉस्टल में रहते हुए, मैंने अपने कपड़े धोना, अपना कमरा साफ करना और अपने खाने का ध्यान रखना सीखा।

हॉस्टल में रहते हुए, मैंने न केवल अपनी पढ़ाई में सुधार किया, बल्कि जीवन के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को भी समझा। मैंने सीखा कि चुनौतियों का सामना कैसे करें, दूसरों के साथ सहयोग कैसे करें, और अपने लिए खड़ा होना क्यों जरूरी है।

अंकिता कुजूर
प्रथम वर्ष 'ब'

Living in a hostel has been a valuable experience. My first time staying away from home, I learned many important life skills. Hostel life is quite different from normal life; it teaches punctuality and self-reliance. It also brings about a complete change in lifestyle and mindset. Although some may find hostel life boring, it actually offers many lessons. It encourages us to live responsibly and follow rules, which improves our daily routines. For example, I now wake up early, maintain personal hygiene, and manage my time effectively. Hostel life has helped me become more independent and responsible, making me proud of my achievements. It has also prepared me to face challenges confidently and become a responsible adult.

Anushka Angel Tirkey
First year 'B'

छात्रावास में रहते हुए मुझे नया अनुभव हुआ। प्रारंभ में वातावरण अजनबी सा लगता था, और मैं स्वयं को अकेला महसूस करता था। कभी-कभी यह सोचता था कि मैं यहाँ रह पाऊंगा या नहीं। शुरुआत में डर भी लगता था, लेकिन धीरे-धीरे अपने होस्टेल के अन्य छात्रों से परिचित हुआ। इस तरह से मैं अपने नए माहौल में सहज होने लगा। छात्रावास में समय बिताते हुए मुझे नए मित्र मिले और विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर भी मिला। यह अनुभव मेरे लिए स्वर्ग जैसा था, क्योंकि घर से दूर रहकर मैं स्वतंत्रता का अनुभव कर रहा था। शुरुआत में समय का प्रबंधन करना कठिन था, लेकिन प्रयास जारी रखा। इस प्रक्रिया में मैंने बहुत कुछ सीखा और अपने आप को बाहरी दुनिया से सीमित रखने का अभ्यास किया। यह अनुभव मेरे लिए बहुत शिक्षाप्रद रहा।

अमित रोशन लकड़ा
प्रथम वर्ष 'ब'

हमारे महाविद्यालय में 18/07/25 को धान रोपनी का कार्यक्रम शुरू किया गया था। हालांकि मेरी तबीयत खराब होने के कारण मैं धान नहीं रोप सकी, इसलिए मुझे किचन में काम करने का अवसर मिला। वहाँ मुझे पानी और चाय बाँटने का काम मिला, जो मुझे अच्छा लगा। इस कार्य के दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा, जैसे कि टिचर्स को कैसे पानी देना चाहिए और कब देना है। हमलोग पानी बाँटने और किचन का काम खत्म करने के बाद मिलकर बर्तन धोने और पापड़ बनाने का काम कर रहे थे। बर्तन धोने का काम भी अच्छा लगा क्योंकि सभी मिलकर काम कर रहे थे, जिससे थकान महसूस नहीं हुई। मुझे पानी और चाय बाँटने में भी आनंद आया, और इस कार्य से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। कभी-कभी बार-बार आना-जाना करने के कारण थोड़ी थकावट महसूस हुई, लेकिन फिर भी मुझे यह अनुभव अच्छा लगा। काम करते समय बीच-बीच में हम सब मिलकर मस्ती भी कर रहे थे। यह पहली बार था जब मैंने ग्रुप में मिलकर किचन का काम किया, और यह अनुभव मेरे लिए बहुत अच्छा रहा।

असमीता सांडिल
द्वितीय वर्ष 'ब'

हमारे महाविद्यालय में धान रोपनी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। हर हाउस को अलग-अलग कार्य सौंपा गया था। हम सभी में उमंग और उत्साह था, और हमें यह अनुभव अच्छा लगा। लोयोला हाउस के सदस्यों को धान रोपने का कार्य सौंपा गया था। सहयोगपूर्ण माहौल में, रोपते समय जोंक और कीड़े मिलने पर मुझे डर लगा, लेकिन फिर भी, हम सभी ने मिलकर गाना गाते हुए कार्य पूरा किया। मिट्टी में भी बहुत मेहनत की और सभी ने मिलकर कार्य को समय पर पूरा किया। कार्य के दौरान, हमें कई कीड़े भी देखने को मिले, जिनके बारे में बताया गया कि ये कीड़े धान की फसल के लिए सामान्य हैं। इस प्रक्रिया में, हम सभी ने एक-दूसरे का सहयोग किया और धान रोपने का कार्य बहुत अच्छा रहा।
जब खेतों में मेहनत से पसीना बहता है, तभी इंसान का पेट भरता है।

हिना यासमीन
द्वितीय वर्ष 'ब'

हमारे महाविद्यालय में शुक्रवार, 18-07-2025 को धान रोपनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हमारे महाविद्यालय का एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जो छात्रों के व्यवहारिक कौशल को विकसित करने के लिए हर वर्ष आयोजित किया जाता है।
कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से हुई। इस वर्ष मैं भाग नहीं ले सकी क्योंकि मेरी तबीयत ठीक नहीं थी। मुझे और अन्य साथियों को भोजन कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, और मैंने इस अनुभव का लाभ उठाया। मैंने सभी कार्यों को मन लगाकर पूरा किया। दोपहर में सामूहिक भोजन के बाद सफाई और नाश्ते का आयोजन किया गया। अंत में चाय पीकर हमने इस दिन का आनंद लिया।

अनुजा नेहा पन्ना
द्वितीय वर्ष 'ब'

धान रोपनी

भींगे मौसम का कहर था बीते कुछ समय से
सारा शहर, गली गाँच आँसमा गीला था
हल्की धूप, हल्की छाँव बिखेर रहीं थी
दिन शुक्रवार को।

इस अलबेले मौसम में चारों दल
लाल, नीले पीले हरे रंग से,
खेतों को ढंके थे चादर की तरह
और मिट्टी के साथ लगे खेलने

बनिहार बन जेवियर दल
अपने कर्मठ हाथों से बित्ता-बित्ता
उखाड़ रहे थे बीड़े और
बचे दल बीड़े को रोप रहे थे खेतों में

हम हैं पुत्र-पुत्रियाँ किसान के
मेहनत हम है दिखाते खेतों में
मेहनत हमारी रंग लाती कुछ महीनों बाद
देकर नये-नये अनाज फसल

प्रसन्न हो उठता हृदय हमारा
पाकर अच्छे फसल को
मन में गौरव का धुन लिये.
गौरवान्वित एहसास करते
होकर पुत्र-पुत्रियाँ किसान के।

अलिशा तिर्की
द्वितीय वर्ष 'ब'

यह कहावत है कि धान हमारे जीवन की आधारभूत आवश्यकताओं में से एक है। विशेषकर हमारे बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

18 जुलाई को धान रोपाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम हमारे महाविद्यालय में हुआ, और यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव था। इससे पहले भी मैंने इस तरह का कार्य किया था, लेकिन यह अनुभव विशेष था।

यह कार्य रोमांचक था और सभी प्रशिक्षणार्थियों ने मिलकर धान की रोपाई की। शुरुआत में मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि कैसे करना है, लेकिन धीरे-धीरे मुझे अच्छा लगने लगा।

एक कहावत है कि साथ मिलकर किया गया कार्य सफलता की ओर ले जाता है। मुझे भी ऐसा ही अनुभव हुआ। इस अवसर पर मुझे भोजन का भी आनंद लेने का मौका मिला, जो बहुत ही स्वादिष्ट और आनंददायक था।

अनीश कुमार पासवान
द्वितीय वर्ष 'ब'

मैं रोपने के लिए गई थी, लेकिन मेरी तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए मैं रोपाई नहीं कर सकी। मैंने अपने अनुभव से जाना कि जब हम अपने महाविद्यालय में धान-रोपाई करते हैं, तो वह बहुत अच्छा लगता है। उस दिन मैं रसोई के कार्य में व्यस्त थी, और मुझे वह कार्य भी अच्छा लगा। पिछले वर्ष भी मैंने यह कार्य किया था, और उस समय मुझे बहुत अच्छा लगा था। इस वर्ष भी मुझे अच्छा अनुभव हुआ, हालांकि पहले जैसी खुशी नहीं थी। रसोई में काम करते हुए मुझे बहुत अच्छा लग रहा था। हम लोग सुबह 12 बजे से पहले ही कार्य समाप्त कर चुके थे। धान-रोपाई का कार्य पूरा होने के बाद हमने साथ में भोजन किया। खाने के दौरान सभी को भूख बहुत थी, और लाइन लगाकर खाने लगे। हमें देखकर उन्हें खुशी हुई और हमने उन्हें भोजन कराया। यह देखकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। सभी के चेहरे पर मुस्कान थी। भोजन करने के बाद, हमने धान-रोपनी का बचा कार्य समाप्त किया। इस कार्य का अनुभव अच्छा रहा।

अनिमा टोप्पो
द्वितीय वर्ष 'ब'

धान रोपनी कार्य महाविद्यालय में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मेरा कार्य और अनुभव बहुत संतोषजनक रहा क्योंकि मुझे रसोईघर में कार्य करने का अवसर मिला, जहां मैंने अपने साथियों के साथ मिलकर महाविद्यालय के सभी लोगों के लिए भोजन तैयार किया। यह अनुभव सामान्य जीवन के लिए महत्वपूर्ण है कि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता है। यदि हम मिलकर कोई भी कार्य करते हैं, तो वह अधिक सफल और समय से पहले पूरा हो जाता है। मैंने इस अनुभव से सीखा कि मेहनत और सहयोग से कोई भी कार्य आसान हो सकता है। मैं इस अनुभव को सदैव याद रखूंगा और जीवन में अपने इस अनुभव का सदुपयोग करूंगा।

गोडविन मिंज
द्वितीय वर्ष 'ब'

धान रोपनी

बूंदों की रिमझिम बरसात हुई है
धरती की मिट्टी, महक उठी है,
हल चला है, पानी भरा है
धरती माँ ने आँचल धरा है ।।

घुटनों तक पानी, कीचड़ की शान,
हर बूँद दिखे अन्न समान ।
धान की रोपनी शुरु करो रे खेतों में,
मन में उमंग, खेत में सब मुस्कान
लिए चले रोपा रोपने ।।

चिलचिलाती धूप-छाँव में एक ही
उमंग के साथ
गाते खुशियाँ मनाते रोपा का आनन्द,
लेते चलो मिलकर करे हम काम ॥

धरती हरे रंग से लिपटी हुई
हर कोने खुशियों से सजी गई
ये रहा पहला कदम, अन्नदाता बनने
की राह पर ॥

अंजना सोरेंग
द्वितीय वर्ष 'ब'

हार्दिक-विदाई (फा. आरोक्य राज ये.स.)

आज हम सबके बीच एक ऐसा पल आया है, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं। जब कोई मुस्कुराता हुआ चेहरा, जिसकी मौजूदगी ही माहौल को खुशनुमा बना देती है, वही हमसे विदा लेता है तो दिल थोड़ा छोटा हो जाता है। फा. आरोक्य राज ये.स. आप सिर्फ एक सहकर्मी, मित्र या साथी नहीं थे बल्कि हर दिन हमारे लिए एक सकारात्मक ऊर्जा की मिसाल रहे हैं।

आपका **"चलो हो जाएगा"** वाला आत्मविश्वास, **'कोई बात नहीं अगली बार सही'** वाला हौसला और **"चाय पीते हैं"** वाला अंदाज हमें हमेशा याद रहेगा।

सुबह की चाय जोश देती है
मगर २ बजे की चाय होश देती है
काम की गर्मी से जब दिल भर जाए तो चुपके से कोई कहे –
'चलो चाय पिए भाई' हमेशा याद रहेगा।

इस महाविद्यालय में आपका पदार्पण जुलाई 2024 को कोषाध्यक्ष और ETE विषय शिक्षक के रूप में हुई। लगभग 12 महीने आपका शिक्षण कार्य बड़ी शालीनता और कर्तव्यनिष्ठा से भरा रहा। हर समस्या को हल्के-फुल्के मज़ाक में बदल देना, हर टेंशन को हंसी में उड़ा देना - ये कला हर किसी के बस की बात नहीं होती। और यही खूबी फा. आरोक्य राज ये.स. को सबसे अलग बनाती है। आप जा रहे हैं लेकिन आपकी यादें, आपकी प्रेरणादायक कथन और आपकी मुस्कान हमेशा हमारे साथ रहेगी। हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। जहां भी जायें ऐसे ही हँसते-हँसाते रहें और दूसरों के जीवन में रोशनी और मुस्कान भरते रहें। आपकी ये नई शुरुआत, ढेर सारी खुशियां लेकर आए - यही दुआ है।

हार्दिक-स्वागतम (फा. अनीश हंसदक ये.स.)

महाविद्यालय में दिनांक 19 जुलाई का दिन खुशी व गम दोनों का दिन रहा। गम इस बात का रहा कि हमारे बीच एक साल से काम करते आ रहे मिलनसार, कर्मठ, जुझारू और जवान फा. आरोक्य राज का स्थानांतरण महुआडांड़ पारिश में सहायक पल्ली पुरोहित के रूप में हुआ। वे इस महाविद्यालय में कोषाध्यक्ष सह ETE विषय शिक्षक के रूप में कार्यरत थे।

गम के आँसू अभी निकले ही नहीं थे कि हमारे बीच फा. अनीश हंसदक का पदार्पण डाल्टेंगंज से हमारे महाविद्यालय में हुआ, जिन्होंने फा. राज के कार्य को संभाला। और हमारे महाविद्यालय के आर्थिक प्रबंधन को सशक्त करने के लिए अपना हाथ बढ़ाया। महाविद्यालय परिवार फा. अनीश हंसदक का हार्दिक अभिनंदन करता है।

आप के आने से हम सभी अत्यंत गर्व और उत्साहित महसूस कर रहे हैं। आशा है कि हम सभी साथ मिलकर न केवल शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करने, बल्कि जीवन के मूल्यों, नैतिकताओं और सामाजिक जिम्मेदारियों को भी समझने का प्रयास करेंगे। नए अध्याय की शुरुआत हो और महाविद्यालय एक उत्कृष्ट स्थान पर पहुंचे।

16 जुलाई को महाविद्यालय में आस्ट्रेलिया से दो विशिष्ट अतिथियों का आगमन हुआ। महाविद्यालय परिसर तक आने में प्रोविंशियल डॉ. फा. भिन्सेंट हंसदक और फा. बॉब स्लेटरी ने उनकी अगुवाई की। महाविद्यालय में उनका धूमधाम से स्वागत किया गया। मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फा. पी.जे.जेम्स, सुपीरियर फा. सिलास चंद्र मिंज, फा. आरोक्य राज, सभी शिक्षक और प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की झलक

संत जेम्स

संत जेम्स, या जेम्स द ग्रेट, ईसाई परंपरा में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। उन्हें उनके प्रेरितिक कार्यों और दृढ़ विश्वास के लिए सराहा जाता है। पहली शताब्दी ईस्वी में जन्मे, वे ज़ेबेदी और सलोमी के पुत्र और प्रेरित यूहन्ना के भाई थे। जेम्स एक गैलीलियन मछुआरे के रूप में काम करते थे और एक साधारण जीवन जीते थे, जब तक कि गैलील सागर के किनारे हुई एक परिवर्तनकारी घटना ने उनका मार्ग हमेशा के लिए बदल नहीं दिया। इस घटना ने ईसाई धर्म में उनकी असाधारण यात्रा की शुरुआत की। यही कारण है कि हम सैंटियागो डे कॉम्पोस्टेला के गिरजाघर तक कैमिनो डे सैंटियागो से चलते हैं ।

आह्वान एक भाग्यशाली दिन, याकूब और उसका भाई यूहन्ना अपने मछली पकड़ने के जाल ठीक कर रहे थे, तभी नासरत का यीशु उनके पास आया। एक ऐसे पल में जिसने उनके जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया, यीशु ने उन्हें अपने पीछे चलने और "मनुष्यों के मछुआरे" बनने का निमंत्रण दिया। बिना किसी हिचकिचाहट के, दोनों भाइयों ने अपने जाल, नाव और यहाँ तक कि अपने पिता को भी यीशु की सेवा में शामिल होने के लिए छोड़ दिया। यह बुलावा सिर्फ़ करियर में बदलाव नहीं था, बल्कि एक आध्यात्मिक मिशन था जिसने याकूब को दूर-दूर तक पहुँचाया। उसने यीशु का संदेश फैलाया और ईसाई धर्म की नींव रखने में मदद की।

एक प्रेरित के रूप में जीवन प्रेरित बनने के बाद, याकूब जल्द ही यीशु के सबसे करीबी अनुयायियों में सबसे उत्साही और साहसी व्यक्ति के रूप में उभरे। वह यीशु के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं, जैसे कि रूपांतरण, के दौरान उपस्थित चुनिंदा प्रेरितों में से एक थे, जहाँ यीशु ने अपने सबसे करीबी शिष्यों को अपना दिव्य स्वरूप प्रकट किया था। सुसमाचारों में अक्सर याकूब को यीशु के तीन सबसे करीबी प्रेरितों में सूचीबद्ध किया गया है—अन्य दो प्रेरित पतरस और उनके भाई यूहन्ना हैं। इस तिकड़ी ने यीशु की कहानी के महत्वपूर्ण क्षणों को देखा और उनमें भाग लिया।

उनका मिशनरी कार्य यीशु के सूली पर चढ़ने और उसके बाद ईसाई चर्च के उत्थान के बाद, जेम्स ने एक मिशनरी की भूमिका निभाई। कई अन्य प्रेरितों की तरह, उन्होंने भी ईसा मसीह की शिक्षाओं का प्रसार करने के लिए यात्राएँ शुरू कीं। ऐतिहासिक और धार्मिक वृत्तांतों के अनुसार, उन्होंने दूर-दूर तक यात्राएँ कीं, यहाँ तक कि सुसमाचार का प्रचार करने के लिए इबेरियन प्रायद्वीप (आधुनिक स्पेन और पुर्तगाल) तक भी पहुँचे। विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद, उनका साहस और दृढ़ संकल्प कभी कम नहीं हुआ।

शहादत जेम्स के निडर प्रचार ने अंततः उसे एक दुखद अंत की ओर अग्रसर किया। बढ़ते ईसाई आंदोलन को दबाने के लिए उत्सुक राजा हेरोदेस अग्रिप्पा प्रथम ने जेम्स की गिरफ्तारी और बाद में उसे फाँसी देने का आदेश दिया, जिससे वह शहीद होने वाला पहला प्रेरित बन गया। हालाँकि उसकी मृत्यु हृदयविदारक थी, फिर भी वह ईसाइयों की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई। वह अपने दृढ़ विश्वास के लिए अपनी जान देने को तैयार था।

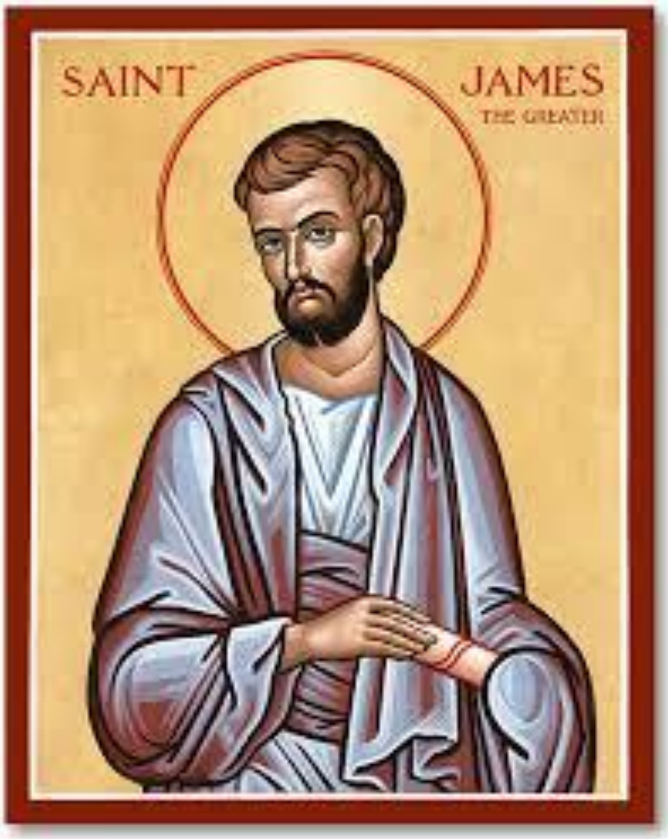

विरासत और सम्मान संत जेम्स की विरासत आज भी दुनिया को प्रभावित कर रही है। लोग उन्हें स्पेन के संरक्षक संत के रूप में पूजते हैं और मानते हैं कि उनके अवशेष गैलिसिया में स्थित हैं। लोगों का मानना है कि जेम्स के अवशेष सैंटियागो डे कॉम्पोस्टेला के कैथेड्रल में दफनाए गए हैं, जो एक प्रतिष्ठित तीर्थस्थल है। यह स्थल ईसाई जगत के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों में से एक बन गया है, जहाँ हर साल लाखों तीर्थयात्री आते हैं। कैमिनो डे सैंटियागो या सेंट जेम्स के मार्ग के नाम से प्रसिद्ध, यह तीर्थयात्रा आध्यात्मिक साधकों को आस्था, चिंतन और समुदाय की एक अनूठी यात्रा प्रदान करती है।

उनका स्कैलप शैल प्रतीक तीर्थयात्रा का पर्याय बन गया है और सुरक्षित यात्रा और आतिथ्य का प्रतीक बन गया है। तीर्थयात्री अक्सर सैंटियागो डे कॉम्पोस्टेला की ओर जाने वाले रास्तों और पगडंडियों पर इस शैल को देखते हैं, जो उन्हें आश्वस्त करता है कि वे सही रास्ते पर हैं।

संत जेम्स केवल एक ऐतिहासिक व्यक्ति ही नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ हैं जिनका जीवन और बलिदान आज भी लोगों को उनकी आस्था की यात्रा में मार्गदर्शन और प्रेरणा देते हैं। ईसा मसीह के संदेश के प्रसार के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने ईसाई इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी है, और एक समर्पित प्रेरित और निडर मिशनरी के रूप में उनकी विरासत आज भी कायम है।

संभार : इंटरनेट

लोयोला दिवस

31 जुलाई को हमारे महाविद्यालय में लोयोला दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस दिन का आयोजन हमारे महाविद्यालय में विशेष महत्व रखता है। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा बलिदान से हुई, जिसमें संत इग्नासियुस लोयोला का जीवन परिचय प्रस्तुत किया गया, जिससे हमें उनके जीवन के तरीके और पुरोहित बनने की प्रेरणा का पता चलता है। मिस्सा समाप्त होने के बाद, उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया, जिनमें दूसरे विद्यालय के शिक्षक, फादर और सिस्टर शामिल थे। इसके बाद रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें दीप प्रज्वलन और वंदना नृत्य शामिल थे, जो मुझे बहुत अच्छा लगा और जिससे ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव हुआ। इसके बाद, दूसरे विद्यालय से आए अतिथियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से मधुर गीत प्रस्तुत किए और फादरों को सुंदर उपहार भी दिए गए। कार्यक्रम का समापन भरतनाट्यम नृत्य से हुआ, जो अत्यंत सुंदर और मनमोहक था। इस तरह, 31 जुलाई का दिन हमारे लिए विशेष और यादगार रहा।

मोनिका मिंज
प्रथम वर्ष 'ब"

संत इग्नासियुस लोयोला पर्व का अनुभव

PTEC में संत इग्नासियुस लोयोला का पर्व पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ मनाया गया। संत इग्नासियुस "सोसाइटी ऑफ जीसस" (Society of Jesus) के संस्थापक और संरक्षक संत हैं। इस समाज की स्थापना उन्होंने 1540 ई. में शिक्षा, मिशनरी कार्यों और सामाजिक न्याय के लिए की थी। यह पर्व उनकी सेवा, प्रेरणादायक कार्यों तथा आध्यात्मिकता के आदर्शों की स्मृति में मनाया जाता है। संत इग्नासियुस का जीवन समर्पण, सेवा और दृढ़ता का एक शक्तिशाली उदाहरण है।

मूल रूप से स्पेन के एक कुलीन परिवार से आने वाले, संत इग्नासियुस एक सैनिक थे। युद्ध में घायल होने के बाद, उन्होंने आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन किया जिससे उनके जीवन की दिशा बदल गई। उन्होंने अपना शेष जीवन ईश्वर और मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया।

संत इग्नासियुस ने विनम्रता और निस्वार्थ सेवा के महत्व पर जोर दिया। उनका मानना था कि हमें अहंकार को त्यागकर दूसरों की सेवा करनी चाहिए। उनका आदर्श वाक्य था कि हमें केवल उन्हीं लक्ष्यों का चयन करना चाहिए जो हमारे लिए सही हों और जिनके लिए हम बनाए गए हैं।

उनके जीवन से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें हमेशा नए विचारों और अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, संत इग्नासियुस ने कभी हार नहीं मानी। उनका जीवन हमें भी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृढ़ बने रहने की प्रेरणा देता है।

निधि खलखो
प्रथम वर्ष 'ब'

संत इग्नासियुस लोयोला का पर्व महाविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हमारे महाविद्यालय में 31 जुलाई को संत इग्नासियुस लोयोला का पर्व बड़ी ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस विशेष दिन का आरंभ पवित्र मिस्सा बलिदान के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मिस्सा के दौरान, हमें संत इग्नासियुस के प्रेरणादायक जीवन और उनके महान कार्यों के बारे में विस्तार से बताया गया।

एक संक्षिप्त अवकाश के पश्चात, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक मधुर गीतों से किया गया, जो हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचायक था। इसके बाद एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेषकर, भाव-भंगिमाओं से परिपूर्ण नृत्यों ने सभी का मन मोह लिया और यह दर्शाया कि कला के माध्यम से कितनी गहराई से भावनाओं को व्यक्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम के समापन पर सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। भोजनोपरांत सभी ने मिलकर नृत्य किया, गीत गाए और इस दिन को यादगार बना दिया।

प्रेरणा का स्रोत

प्रत्येक वर्ष 31 जुलाई को मनाया जाने वाला यह पर्व हमें संत इग्नासियुस के पदचिह्नों पर चलने और जीवन की हर चुनौती का डटकर सामना करने के लिए प्रेरित करता है। उनका जन्म का नाम इनीगो था और एक सैनिक के रूप में जीवन जीते हुए युद्ध में घायल होने के बाद उनका जीवन परिवर्तित हो गया। उन्होंने अपना शेष जीवन ईश्वर और मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। यह दिन हमें अपने सभी कार्यों को, चाहे वे छोटे हों या बड़े, और बेहतर तरीके से करने की प्रेरणा देता है।

अंशु टोप्पो
द्वितीय वर्ष 'ब'

लोयोला दिवस का अनुभव

जैसे कि आप सभी जानते हैं, 31 जुलाई 2025 को सेंट इग्नासियुस दिवस मनाया गया, जिसे हम लोयोला डे या पर्व के नाम से भी जानते हैं। इस दिन को खास बनाने में हमारे college management team का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए कॉलेज की टीम ने अपनी ओर से बहुत प्रयास किया। मैं भी इस अवसर पर अनुभव साझा करना चाहता हूँ। मुझे एक छोटी सी जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जो रसोईघर का कार्य था। मैंने अपने कार्य के प्रति ईमानदारी से अपना दायित्व निभाया।

इसके साथ ही मुझे विभिन्न प्रकार के प्रबंधनों के अनुभव भी प्राप्त हुए। जैसे- समय प्रबंधन, टीम मीटिंग का प्रबंधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रबंधन, आयोजन व्यवस्था स्टाफ का सहयोग का प्रबंधन, रसोईघर का प्रबंधन आदि

अमरेन्द्र रंजन
प्रथम वर्ष 'अ'

हमारे महाविद्यालय में लोयोला दिवस का आयोजन

गत 31 जुलाई को हमारे महाविद्यालय में संत इग्नासियुस लोयोला का पावन पर्व, 'लोयोला दिवस', धूमधाम से मनाया गया। यह दिन हम सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं यादगार रहा। यह पर्व मुख्य रूप से येसु समाज के संस्थापक, संत इग्नासियुस के पुण्य स्मरण, उनके महान कार्यों और आदर्शों को सम्मान देने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

इस अवसर पर हमें संत इग्नासियुस के जीवन-परिचय से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। उनके जीवन से मुझे यह प्रेरणा मिली कि हमें जीवन में आने वाली चुनौतियों से निरंतर संघर्ष करना चाहिए, कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और सदैव निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करनी चाहिए। इन्हीं महान आदर्शों को ध्यान में रखकर संत इग्नासियुस ने 'येसु समाज' (Society of Jesus) की स्थापना की थी।

इस वर्ष लोयोला दिवस के उपलक्ष्य में हमारे महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार का आयोजन कहीं अधिक उत्कृष्ट और सुनियोजित था। सभी ने इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस दिन को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

निशांत टोप्पो

लोयोला दिवस का अनुभव

संत इग्नासियुस लोयोला का पर्व 31 जुलाई 2025 को मनाया गया। उस दिन मुझे भी सभी छात्रों की तरह जिम्मेदारी दी गई थी। मेरी जिम्मेदारी रसोई घर में थी। यह जिम्मेदारी मेरे लिए काफी महत्मवपूर्ण थी और इससे मैं पूर्ण रूप से निमाने का एक अलग कोशिश किया और अनुभव प्राप्त हुआ मैंने इससे पहले कमी-भी इतने बड़े कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया इससे यह पता चलता था कि जीवन में कोई भी काम बड़ा और छोटा नहीं होता है। यदि कोई भी काम का दायित्व मुझे मिलता है तो मैं जिम्मेवारी और ईमानदारी के साथ निभा सकता हूँ।

अमन डुंगडुंग
प्रथम वर्ष 'अ''

Loyola Day
A Journey of light

Today we stand with hearts, so bright
In Loyola's name, with soul s might
A day of grace of faith and cheer
A time to honour all we hold dear.

we walked with friends. we Sang with Pride,
with values of service deep inside
Lessons of courage, love and peace.
In every moment, joy did increase

The morning prayers, so calm, so pure.
Reminded us what we must endure.
To lead with truth, to care, to give
To walk in Christ's way and truly live

From speeches strong to cultural flair
Unity bloomed in the festive air.
The spirit of St. Ignatius shove.
Reminding us we're not alone.

Today we felt the Loyola flame
Igniting dreams, not Seeking fame
with grateful hearts, we proudly say
we'll. live the Loyola way each day

Anamika Kullu
2nd year 'A'

प्रेरणादायक लोयोला दिवस: संत इग्नासियुस को एक श्रद्धांजलि

लोयोला दिवस, जो संत इग्नासियुस के पुण्य दिवस के रूप में मनाया जाता है, हम सभी के लिए एक अत्यंत प्रेरणादायक और यादगार दिन है। यह दिन विश्वभर के येसु समाज के संस्थापक, संत इग्नासियुस का स्मरण और सम्मान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इसके साथ ही, यह हमें उनके संपूर्ण जीवन के इतिहास को जानने और समझने का एक सुंदर अवसर भी प्रदान करता है।

मैं संत इग्नासियुस के जीवन से अनजान था और मैंने पहले कभी उनके बारे में इतने विस्तार से नहीं सुना था। उनका पूरा जीवन परिचय सुनने के बाद, मुझे यह महसूस हुआ कि वे भी हमारी ही तरह एक सांसारिक भावनाओं और विचारों वाले व्यक्ति थे। उनका भविष्य के प्रति दृष्टिकोण भी एक आम इंसान जैसा ही था। एक सैनिक के रूप में, पम्पलोना की लड़ाई में वे घायल हो गए, जिसने उन्हें दुनियावी चीजों से दूर कर दिया।

संत इग्नासियुस का जीवन प्रेरणा से भरा है, क्योंकि पश्चाताप एक ऐसी शक्ति है जो मनुष्य को शैतान से इंसान बना सकती है। मुझे उनकी यह बात बहुत अच्छी लगी कि उन्होंने अपने जीवन में परिवर्तन किया और लोगों की सेवा में लग गए। मैं उनके जीवन से बहुत प्रभावित हुआ हूँ। हम चाहें तो खुद को दुनिया की सबसे ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं और दुनिया में अपना इतिहास बना सकते हैं।

रजत बागे
द्वितीय वर्ष 'ब'

संत इग्नासियुस पर्व का मेरा अनुभव

गत 31 जुलाई, 2025 को संत इग्नासियुस पर्व का आयोजन किया गया। दिन की शुरुआत दीप प्रज्वलन और पवित्र मिस्सा-पूजा के साथ हुई। इस दिन मिस्सा-पूजा के दौरान दिए गए उपदेश में हमें बताया गया कि संत इग्नासियुस अत्यंत साहसी, त्यागी और तपस्वी जीवन वाले व्यक्ति थे। उन्होंने एक संन्यासी का जीवन जीते हुए स्वयं को जरूरतमंदों, विशेषकर युवाओं की सेवा में समर्पित कर दिया। वे हम सभी के लिए प्रेरणा के महान स्रोत हैं।

एक प्रशिक्षु होने के नाते, मैंने यह सीखा कि हमें भी त्याग और पूरे मन से समर्पित होकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बनना चाहिए। पवित्र मिस्सा के बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत आनंददायक था। रंगारंग गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के समापन पर हम सभी छात्रावास की ओर भोजन के लिए गए। वहाँ का वातावरण भी आनंद और उत्साह से भरा हुआ था और स्वादिष्ट भोजन ने इस खुशी को दोगुना कर दिया। भोजन के बाद जब DJ पर नृत्य करने का अवसर मिला, तो मेरा उत्साह चरम पर था। यह मेरा पहला अवसर था जब मैंने इस तरह सबके साथ नृत्य किया, और यह अनुभव अविस्मरणीय था।

दिन के अंत में, मेरा मन एक नए साहस और कुछ अच्छा करने की प्रेरणा से भर गया था। सचमुच, संत इग्नासियुस का यह पर्व मेरे लिए बहुत कुछ नया सीखने वाला और एक अद्भुत अनुभव देने वाला दिन था।

नेम्हंती कच्छप
प्रथम वर्ष 'ब'

संत इग्नासियुस लोयोला पर्व: एक अविस्मरणीय अनुभव

आज के इस सुंदर दिन को सफल बनाने में अनगिनत लोगों का योगदान रहा। मैं अपने अनुभव और आनंद को कुछ शब्दों में अभिव्यक्त करना चाहता हूँ।

हम किसी भी कार्य का शुभारंभ ईश्वर के स्मरण से करते हैं, और इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए हमने दिन की शुरुआत पवित्र मिस्सा-बलिदान में भाग लेकर की। पुरोहित ने अत्यंत भक्तिपूर्ण और सुंदर ढंग से मिस्सा-विधि संपन्न कराई। इस भक्तिमय और आनंदपूर्ण दिन के आयोजन के लिए सभी ने कठोर परिश्रम किया। मैं संत इग्नासियुस लोयोला पर्व के लिए अत्यंत उत्सुक और प्रसन्न था। मेरे लिए सबसे विशेष अनुभव बाईबल जुलूस-नृत्य में पहली बार भाग लेना था, जो मुझे बहुत अच्छा लगा। मिस्सा के दौरान प्रस्तुत किए गए अन्य सभी नृत्य, जैसे प्रवेश-नृत्य और विसर्जन-नृत्य, सराहनीय थे।

पवित्र मिस्सा के तुरंत बाद हमारा सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुआ, जो अत्यंत उत्कृष्ट था। इस कार्यक्रम से भी मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला, विशेषकर द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं से, जिन्होंने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें अपनी संस्कृति को कैसे संरक्षित रखना चाहिए। अतिथि कलाकारों ने भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुति दी। सभी ने अपने प्रदर्शन से हमारा मन मोह लिया। इस अवसर पर मुझे एक महान विचार का स्मरण हुआ - **"सपने वो नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, सपने तो वो हैं जो आपको सोने नहीं देते।"**

कार्यक्रम का समापन भली-भांति संपन्न हुआ, जिसके बाद जलपान की व्यवस्था थी। सभी लोगों ने इस आयोजन में जो कड़ी मेहनत की थी, उसका सुखद फल हमें स्वादिष्ट भोजन के रूप में मिला। यह एकता का एक जीवंत उदाहरण था, जैसा कि कहते हैं, "एकता में ही बल है।" पूरा कार्यक्रम अत्यंत अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ।

अंत में, मैं कार्यक्रम के संचालकों की सक्रियता की भी प्रशंसा करना चाहूँगा। मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में मुझे भी ऐसा अवसर प्राप्त होगा, क्योंकि जीवन हमें हर दिन कुछ नया सीखने का मौका देता है। मैं अपने शब्दों को यहीं विराम देता हूँ, क्योंकि हर अनुभव को शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना संभव नहीं है; उसे जीना और उससे सीखना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

अलबिन किड़ो
प्रथम वर्ष 'अ'

Experience of Loyola Day 2025

Loyola Day was more than just a celebration; it was a festival of spirit, unity, and the values that define our institution. The day began with a holy mass that boosted us with spiritual energy. This was followed by an amazing cultural program, and I had the privilege of taking part in the celebration.
Participating in Loyola Day reminded me of the strength of our community, the joy of collaboration, and the importance of living with purpose. I enjoyed the day a lot.

Ishpriya Minj
2nd Year

लोयोला दिवस: एक अविस्मरणीय उत्सव

लोयोला दिवस का उत्सव अत्यंत भव्य और आकर्षक था। दिन का शुभारंभ पवित्र मिस्सा-पूजा के साथ हुआ। परंतु, फादर अनिश हाँस्दा द्वारा प्रवचन में कही गई एक बात ने मुझे विशेष रूप से प्रभावित किया। उन्होंने कहा, **"सच बोलो, जहाँ झूठ बोलना आसान हो; ईमानदार रहो, जहाँ नकल करना सामान्य हो।"** उनके ये शब्द मुझे आत्म-चिंतन के लिए विवश करते हैं और एक बेहतर व्यक्तित्व के निर्माण की दिशा में मेरा मार्गदर्शन कर सकते हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान उपस्थित सभी लोगों की प्रतिभा किसी ज्वालामुखी की तरह प्रस्फुटित हो रही थी। एक-से-बढ़कर-एक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रत्येक कलाकार के प्रदर्शन में जो सजीवता और तन्मयता थी, वह वास्तव में प्रशंसनीय थी। कुल मिलाकर, यह एक ऐसा मनमोहक और अविस्मरणीय सांस्कृतिक आयोजन था, जिसने सभी के दिलों पर एक गहरी छाप छोड़ी।

सचिन मराण्डी
द्वितीय वर्ष 'ब'

संत इग्नासियुस लोयोला दिवस: एक प्रेरणादायक अनुभव

मैं 31 जुलाई को मनाए गए संत इग्नासियुस लोयोला दिवस के अवसर पर अपना अनुभव साझा कर रही हूँ। हमारे महाविद्यालय में यह पावन पर्व बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पवित्र मिस्सा-पूजा से हुआ, जो अत्यंत भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। इस दिन के मुख्य अनुष्ठाता फादर अनीश हांसदा थे। उन्होंने अपने उपदेश में संत इग्नासियुस लोयोला के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डाला और हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने संत इग्नासियुस के मुख्य जीवन संदेश को रेखांकित किया: **"सभी चीजों में ईश्वर को खोजना।"** उनका मानना था कि ईश्वर सृष्टि के कण-कण में विद्यमान है, और हमें प्रत्येक क्षण, प्रत्येक कार्य और प्रत्येक संबंध में उन्हें पहचानने का प्रयास करना चाहिए। मिस्सा के दौरान हुए प्रवेश-नृत्य, चढ़ावा और बाइबल जुलूस जैसी गतिविधियों ने इस अवसर को और भी भक्तिमय बना दिया। पवित्र मिस्सा के पश्चात एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो अत्यंत मनमोहक था। सभी प्रस्तुतियाँ प्रशंसनीय थीं, किंतु भरतनाट्यम का प्रदर्शन विशेष रूप से आकर्षक था। अन्य कार्यक्रम भी अत्यंत मनोरंजक थे। इसके उपरांत सभी के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। दिन का समापन सामूहिक नृत्य के साथ हुआ, जो आनंद और उल्लास से परिपूर्ण था।

इस पूरे दिन के माध्यम से संत इग्नासियुस का जीवन संदेश स्पष्ट रूप से प्रतिध्वनित हुआ — कि हमें ईश्वर के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित होना चाहिए, नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करनी चाहिए, प्रार्थना एवं चिंतन के लिए समय निकालना चाहिए और आत्म-त्याग का भाव अपनाना चाहिए।

निशि कुजूर
प्रथम वर्ष 'ब'

PRIMARY TEACHERS' EDUCATION COLLEGE

Gurwa, PO Sitagarha, Dist. Hazaribag 825 303, Jharkhand, INDIA

(A Christian Minority Institution under the Hazaribag Jesuits Education Society: Estd: 1958)

Recognized by ERC, NCTE vide order No. BR-E/E- 2/96/2799(12) dt 11.02.1997.

Mob. 8987903798 (O) 9835358073 (P) Email: info@ptecgurwa.org Website: www.ptecgurwa.org